Psychology - B-II (Hons)
Group-A, PAPER - III

Meaning and Types of Psychological Research.

D'Amato ने 1970 में Experimental Psychology में कहा कि :- "We may include under the term psychological Research all enquiries into problems within the spere of psychology"

मनोवैज्ञानिकों ने मनोवैज्ञानिक शोध को दो भागों में बाँटा है :-

1. Theoritical Research - सैद्धांतिक अनुसंधान
2. Empirical Research - आनुभाविक अनुसंधान

1. सैद्धांतिक अनुसंधान -

मनोविज्ञान के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में सिद्धांत के निर्माण एवं विकास से सम्बन्धित शोधों को सैद्धांतिक कहा जाता है।

इसमें -

(a) पुस्तकालय शोध एवं
(b) सिद्धांत रचना आता है।

पुस्तकालय शोध का अर्थ है कि - शोधकर्ता स्वयं आँकड़ों का Collection - Respondent से नहीं करता बल्कि - आनुभाविक तथा असहूरा - आँकड़ा (diversified Data) में से अध्ययन कर छूटे हुए अर्थ को क्रमबद्ध विश्लेषण अध्ययन करता है जैसे - आत्महत्या (Suicide) जैसे विषयों पर शोध पुस्तकालयों से अध्ययन कर ही Data collect किया जा सकता है फिर शोध को आगे बढ़ाया जा सकता है।

सिद्धांत रचना - अधिक औपचारिक (formal) एवं गणितीय (Mathematical) ऐसे Variables - पर जिनकी व्याख्या कल्पना से और चिन्तना से हो सके, इस तरह की रचना कल्पना को

Scanned with CamScanner

Theory Construction - [सिद्धांत रचना] कहते हैं।

(2.) आनुभविक शोध - (Empirical Research)

तथ्यपूर्ण मूल्यांकन पर आधारित यह शोध प्रयोगात्मक रूप का होता है इसके तीन प्रमुख प्रकार इस प्रकार है -

(a.) Observation
(b.) Correlational
(c.) Experimental.

(a.) Observation - अवलोकन - दो प्रकार के हैं -
(i) - स्वाभाविक - (Natural - Observation)
(ii) - प्रयोगशाला - (Laboratory - observation)

(i) स्वाभाविक अवलोकन के तात्पर्य ऐसे observation से है जिसमें किसी स्वाभाविक परिस्थिति में घटनाओं का प्रेक्षण किया जाता है जैसे किसी - खेल के मैदान में बच्चों के खेल का स्वाभाविक रूप से अध्ययन कर बच्चों की सहयोगशीलता, आक्रामकता, आदि का अध्ययन करना.

(ii) प्रयोगशाला - प्रेक्षण — जब किसी घटना का शोध/अध्ययन किसी नियंत्रित अवस्था में चर को जानने के लिए किया जाता है तो उसे Laboratory Observation कहते हैं, इसमें चरों के साथ किसी तरह का जोड़-तोड़ - (Manipulation) नहीं किया जाता है।

Scanned with CamScanner

(b) सहसंबंधात्मक शोध - (Correlational Research)

Guilford-(1966) एवं Cronbach-(1957) नामक विद्वानों ने उक्त विधि पर बल दिया और बताया कि Variables (चरों) में किसी तरह का Manipulation न करते हुए एक Selection process के द्वारा चरों को Adjust किया जाता है - जैसे समस्या समाधान क्षमता तथा बुद्धि के बीच सम्बंध का अध्ययन- इसमें प्रयोगकर्ता / शोधकर्ता - बुद्धि लब्धि को कम या ज्यादा नहीं कर सकता है।

दोनों के बीच के अध्ययन में Correlation ज्ञात होता है जैसे - बुद्धि की मात्रा ज्यों-ज्यों बढ़ती है - वैसे-वैसे बच्चों के समस्या समाधान की मात्रा भी बढ़ती है अर्थात - दोनों में Positive-Correlation- धनात्मक सहसम्बंध है।

(c.) प्रयोगात्मक-शोध - (Experimental Research)

इस तरह के Research में स्वतंत्र चर में जोड़-तोड़ किया जा प्रयोगात्मक रूप से होता है। अतः Result - विश्वसनीय होते हैं। स्वतंत्र-चर तथा आश्रित चरों के बीच - कारण तथा परिणाम सम्बंध होता है जिससे शोध के परिणाम - स्पष्ट एवं वस्तुनिष्ठता (objectivity) बढ़ जाती है।

Dr- Ajay KUMAR
Associate Professor of Psychology
J-J- College, Ara.
8789427854

Scanned with CamScanner